खबर संक्षेप

एक्टिवा चोरी करने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ा

भिलाई। एक्टिवा वाहन को चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि विश्व बैंक कालोनी वार्ड 7 भिलाई तीन निवासी रूद्राक्ष सिंह राजपूत अपने मित्र के विवाह कार्यक्रम में शामिल होने श्याम नगर गया था। कार्यक्रम से लौटते समय रात 12:30 बजे विश्व बैंक कॉलोनी स्थित दुर्गा मंच के पास अपनी एक्टिवा सीजी 07 सीएम 2885 खड़ी कर बाथरूम करने गया था। तभी वाहन गायब हो गया। आसपास खोजबीन करने पर एक्टिवा नहीं मिलने पर शिकायत पुलिस में किया। पुलिस को मुखबिर ने सूचना देने पर टीम सिरसा गेट के पास घेराबंदी कर आरोपी घासीदास नगर भिलाई तीन निवासी संजय महिपाल को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि एक्टिवा को नूतन चौक मुक्तिधाम के पीछे झाड़ियों में छुपाकर रखना स्वीकार किया।

बेलौदी में दो मरीज मिले, स्थिति सामान्य

दुर्ग। पाटन के ग्राम बेलौदी में उल्टी-दस्त के मरीज मिलने का क्रम जारी है। शुक्रवार को 2 नए मरीजों की पहचान हुई। जानकारी के अनुसार प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सर्वे किया जा रहा है। सर्वे में 15 मई को कुल 90 घरों का सर्वे किया गया, जहां उल्टी-दस्त के 2 नये मरीज मिले हैं। 11 मई से अब तक कुल 60 मरीज मिले, जिनमें से 6 मरीजों का इलाज जिले के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। 3 मरीज जिला अस्पताल व 3 मरीज सेलूद हॉस्पिटल मे भर्ती हैं व अन्य सभी मरीज घर पर चिकित्सकीय उपचार ले रहे हैं।

किसानों की खाद चोरी मामले मुखबिर की सूचना पर पुलिस को मिली सफलता

कोठार से चोरी हुई डीएपी-पोटाश खाद के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा/परपोड़ी

जिले के परपोड़ी थाना क्षेत्र में किसानों की मेहनत पर डाका डालने वाले खाद चोरों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोठार का ताला तोड़कर डीएपी और पोटाश खाद चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई खाद भी बरामद की गई है, जबकि उसका साथी अब भी फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम निवासी गिरवर सिन्हा ने थाना परपोड़ी में शिकायत दर्ज कराई थी कि 08 मई की सुबह 7:30 बजे से 14 मई की सुबह 6 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनके कोठार (ब्यारा) में बने कमरे का ताला तोड़ दिया। चोर कमरे के अंदर रखे 12 बोरी डीएपी खाद और 03 बोरी पोटाश खाद चोरी कर फरार हो गए। चोरी गई खाद की कुल कीमत लगभग 22 हजार 500 रुपए बताई गई।

किसान की शिकायत के बाद थाना परपोड़ी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3) और 305(ए) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामला किसानों से जुड़ा होने के कारण पुलिस अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सत्य प्रकाश उपाध्याय के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने ग्राम गोडमर्रा निवासी कुलेश्वर साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी केशव यादव के साथ मिलकर 09 मई 2026 की रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने कोठार का ताला तोड़कर अंदर घुसकर खाद की बोरियां चोरी की थीं।

पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी किए गए 12 बोरी डीएपी और 03 बोरी पोटाश में से 10 बोरी डीएपी और 02 बोरी पोटाश उसके साथी केशव यादव के पास रखे हुए हैं, जबकि 02 बोरी डीएपी और 01 बोरी पोटाश उसने अपने पास छिपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की खाद बरामद कर जब्त कर ली। बरामद खाद की कीमत करीब 4 हजार 700 रुपए बताई गई है।

पुलिस ने आरोपी कुलेश्वर साहू पिता रघुनाथ साहू उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम गोडमर्रा थाना परपोड़ी जिला बेमेतरा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर दिया है। वहीं फरार आरोपी केशव यादव की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, सउनि पुरुषोत्तम कुलार्य, प्रधान आरक्षक येमन बघेल, आरक्षक शिव यादव, रमेश चंद्रवंशी सहित थाना परपोड़ी के समस्त पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

गांजा कारोबार पर बेमेतरा पुलिस का शिकंजा 1.880 किलो मादक पदार्थ के साथ आरोपी गिरफ्ता

बेमेतरा/साजा। जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ बेमेतरा पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में साइबर सेल और थाना साजा पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 किलो 880 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 24 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 15 मई को थाना साजा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम खैरी निवासी एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा और थाना प्रभारी साजा निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी के घर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ग्राम खैरी निवासी हेमराम वर्मा पिता गजराज वर्मा (38 वर्ष) को अवैध गांजा के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 880 ग्राम गांजा बरामद किया गया। मामले में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में सउनि बनवाली राम सोनकर, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र सिंह, पवन सिंह, साइबर सेल आरक्षक संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, संतोष धीवर तथा थाना साजा के आरक्षक अर्जुन ध्रुवे सहित पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। लगातार हो रही कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है, वहीं आम लोगों में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर विश्वास मजबूत हुआ है।

खबर संक्षेप

महावीर कॉलोनी में बनेगी नाली, 72 लाख स्वीकृत

दुर्ग। वार्ड 38 महावीर कॉलोनी क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव एवं निकासी की समस्या को लेकर नाली निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। करीब 72 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। महापौर अल्का बाघमार ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद रामचंद्र सेन सहित कालोनीवासियों मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों ने बरसात के दिनों में होने वाली भारी जलभराव की समस्या से अवगत कराया था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए महापौर ने अधिकारियों को तत्काल नाली निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे। वार्ड 38 में कार्य किए जाएंगे।

सड़क हादसे में बालक की मौत, दोस्त गंभीर

भिलाई। सड़क हादसे में एक नाबालिग की मौके पर मौत होने का मामला सामने आया है। घटना जामुल थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि अहिवारा टाउनशिप वार्ड-11 निवासी मोहम्मद अरमान 10वीं की परीक्षा पास किया। अरमान अपने दोस्त शेख तैयब के साथ बाइक से अहिवारा के टाउनशिप से भिलाई की ओर जा रहा था। इसी दौरान जामुल थाना क्षेत्र के नवतरिया के पास बाइक हादसे का शिकार हो गई। मौके पर ही अरमान की मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। जामुल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया है। मृतक के परिजनों का कहना है कि हादसे के पीछे बोलेरो वाहन की टक्कर भी वजह हो सकती है। परिवार का आरोप है कि किसी बोलेरो चालक ने बाइक को टक्कर मारी, जिसके बाद यह हादसा हुआ।

छावनी क्षेत्र में कैमिकल युक्त पानी और बिजली गुल से लोग परेशान

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और गर्मी के मौसम में गहराते जल संकट, कैमिकल युक्त पानी की सप्लाई व बिजली संबंधी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने तत्काल जोन-4 खुर्सीपार निगम क्षेत्र के अधिकारियों को बुलाकर चर्चा की और पेयजल समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बिजली आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों पर भी संबंधित विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने सड़क, सफाई, मूलभूत सुविधाओं एवं जनसमस्याओं को लेकर भी विधायक को आवेदन सौंपे, जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसी दौरान कुछ खिलाड़ी और खेल प्रेमी भी विधायक से मिले और राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चयन प्रक्रिया को लेकर गंभीर शिकायतें रखीं। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि एक निजी अकादमी के 8 लड़कियों और 3 लड़कों का चयन किया गया, जबकि संबंधित अकादमी छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ से मान्यता प्राप्त इकाई नहीं है।

स्थानीय खिलाड़ियों की अनदेखी

खिलाड़ियों ने बताया कि बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार किसी एक संस्था से अधिकतम 4 खिलाड़ी ही चयनित हो सकते हैं, इसके बावजूद एक ही अकादमी से अधिक खिलाड़ियों का चयन किया गया। साथ ही बाहरी खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने, योग्य स्थानीय खिलाड़ियों की अनदेखी करने, चयन प्रक्रिया में पर्याप्त अवसर नहीं देने तथा भाई-भतीजावाद एवं पैसों के प्रभाव के आरोप भी लगाए गए। खिलाड़ियों ने विधायक को बताया कि चयन समिति द्वारा चयन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही सूची तैयार कर ली गई थी तथा उनके पास इन सभी मामलों से जुड़े पुख्ता तथ्य मौजूद हैं। विधायक देवेंद्र यादव ने खिलाड़ियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा खेल प्रतिभाओं के साथ न्याय सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया।

ट्विनसिटी का तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे आया

सुबह दो घंटे में 3.6 मिमी बारिश, उसके बाद तेज धूप व उमस ने किया परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

मौसम विभाग के मुताबिक बारिश होने की वजह से दुर्ग संभाग का तापमान काफी नीचे गिरा है। अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। तापमान के इस बदलाव की वजह से लू के हालात नहीं रहे। तापमान पिछले एक सप्ताह से 41 व 42 डिग्री सेल्सियस से पार चल रहा था। रोजाना काले बादल आ रहे थे। अंधड़ की स्थिति ट्विनसिटी में तीन दिन तक रही। हल्की बूंदाबांदी भी हुई। पारा इतना अधिक पहुंचने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही थी।

इस बार मानसून के जल्दी आने की संभावना

भिलाई। शुक्रवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह करीब 8 बजे आसमान पर काले बादल आए और बारिश शुरू हो गई। करीब 10 बजे तक बारिश चलती रही। बारिश इतनी तेज थी कि पूरे शहर में जगह-जगह पानी जमा हो गया। लोगों को ऐसा लगने लगा कि अब मानसून अभी से शुरू हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं है। मौसम विभाग के हिसाब से दक्षिण पश्चिम मानसून 26 मई को केरल तट पर पहुंचने की संभावना बन रही है। इस बारिश से सुबह तो लोगों को पिछले 10 दिनों से झेल रहे प्रचंड गर्मी से राहत जरूर मिली लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद स्थिति जस की तस हो गई। तेज धूप खिली और उमसभरा वातातरण निर्मित हो गया। इसकी वजह से लोगों को उसमभरी गर्मी का सामना करना पड़ा।

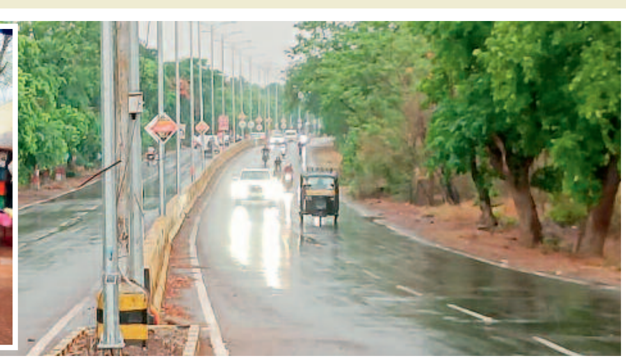

प्री मानसून सीजन

इन दिनों प्री मानसून सीजन चल रहा है। इस सीजन में अंधड़, व्रजपात , ओले गिरना और बारिश अचानक ही होता है। पिछले साल की तरह इस साल भी मौसम का यही ट्रेंड चल रहा है। पिछले साल वर्ष 2025 के अप्रैल महीना सबसे ज्यादा गर्म रहा। मई की शुरूआत हफ्ते के बाद यह घट गया। इस साल भी यही स्थिति है। तापमान पहले 40 से 42 डिग्री सेल्सियस चल रहा था वह घट गया है। 26 मई को दक्षिण पश्चिम मानसून 26 मई को केरल तट पर पहुंचने की संभावना बन रही है।
एचपी, चंद्रा, मौसम विज्ञानी

इस सिस्टम की वजह से बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक एक चिन्हित निम्न दाब का क्षेत्र दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पश्चिमी विक्षोभ 60 डिग्री पूर्व और 28 डिग्री उत्तर में स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका पश्चिम मध्य प्रदेश से उत्तर बांग्लादेश तक पूर्वी मध्य प्रदेश, दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तर गंगेटिक पश्चिम बंगाल होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। जिसकी वजह से बारिश के हालात बने।

आज भी हल्की बारिश की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक दुर्ग सहित प्रदेश में 16 मई को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है। अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। 17 मई से अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है।

पुलिस ने 15 हजार लीटर शराब की नष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

जिले के अलग-अलग थानों और पुलिस चौकियों में कई सालों से जब्त शराब रखी हुई थी। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर 15 हजार लीटर से अधिक शराब को नस्तीकरण किया गया। यह कार्रवाई शुक्रवार को किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक थानों में पड़े आबकारी एक्ट और दूसरे मामलों में जब्त शराब लंबे समय से मलखाने में जमा थी। इनमें कई मामले ऐसे थे जिनका फैसला न्यायालय से हो चुका था, लेकिन शराब अब तक थानों में ही रखी हुई थी। करीब 10 साल से जमा शराब के कारण थाना परिसरों में काफी जगह घिर गई थी। दुर्ग पुलिस ने इस समस्या को देखते हुए विशेष कमेटी बनाई। सभी थानों में रखी जब्त शराब का रिकॉर्ड तैयार किया। इसके बाद न्यायालय से अनुमति लेकर नष्टीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। कुल 480 मामलों में जब्त करीब 15119.976 बल्क लीटर शराब को नियमों के तहत नष्ट किया गया। अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपए बताई गई है।

लोगों को भी असहज लगता

कई जगहों पर मलखाने में इतनी शराब जमा हो गई थी कि सामान रखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची थी। शराब नष्ट होने के बाद अब थानों में अतिरिक्त जगह उपलब्ध होगी। इस जगह का इस्तेमाल बैठने और दूसरे जरूरी कामों के लिए किया जा सकेगा। थानों में लंबे समय से रखी शराब से तेज बदबू फैल रही थी। इससे थाने में काम करने वाले पुलिस कर्मियों को परेशानी हो रही थी। वहीं शिकायत लेकर आने वाले लोगों को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता था।

एसपी -3 में 100 मिलियन टन उत्पादन का कीर्तिमान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 (एसपी-3) ने स्थापना काल से अब तक 100 मिलियन टन ग्रॉस सिंटर उत्पादन का कीर्तिमान पर एसपी-3 कॉन्फ्रेंस हॉल में कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार थे। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत, मनोज कुमार, सजीव वर्गीज, राहुल श्रीवास्तव व राहुल बिजुरकर आदि उपस्थित थे। एसपी-3 ने वर्ष 2001 में सिंटर मशीन-1 के कमीशनिंग के साथ अपनी उत्पादन यात्रा प्रारंभ की थी तथा 8 नवंबर 2014 को सिंटर मशीन-2 के प्रारंभ होने के साथ अपनी उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ किया।

वाहन चेकिंग के दौरान आरक्षक को कार से कुचलने की कोशिश, दो गिरफ्तार

भिलाई। वाहन चेकिंग के दौरान कुम्हारी के पास कार सवार दो युवक को पुलिस ने पकड़ा है। वाहन से कई संदिग्ध किस्म के सामान भी बरामद हुआ है। कुम्हारी पुलिस ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा टोल प्लाजा के पास चेकिंग चल रहा था। इस दौरान एमएच 2 एवाई 3475 रायपुर से भिलाई की ओर तेज रफ्तार से आ रही थी। जिसे रोकने के लिए आरक्षक रमेश चंद्राकर चालको को रोकने लिए इशारा किया। उनकी कार में ब्लैक फिल्म लगा हुआ था। लेकिन कार चालक तेज रफ्तार में रमेश पर वाहन चढाने का प्रयास किया। घटना में आरक्षक को उसके दाहिने हाथ की उंगली में चोट आई। आरोप है कि चालक ने आरक्षक के सिर के ऊपर से भी वाहन चढ़ाने की कोशिश की, लेकिन समय रहते पीछे हटने से उसकी जान बच गई। लेकिन कार को पीछा कर सिरसा गेट से पकड़ा गया कार को चेक करने पर पुलिस को सेक्स पार की गोलियां, गांजा,सिगरेट बरामद हुईं। दोनों आरोपी नागपुर निवासी युवकों का

नाम निवासी न्यू नेहरू नगर, नागपुर निवासी रमजान, बड़ा ताजबाग, सक्करदारा, नागपुर जाकिर मोहम्मद है। पुलिस ने हत्या के प्रयास, सरकारी काम में बाधा,मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:40 बजे की है। बताया गया है कि कार चालक को पकड़ने के लिए पुलिस को 14 किमीटर तक दौड़ लगानी पड़ी थी। कार में रामजान,जाकिर मोहम्मद, एक किशोरी व युवती साथ में थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वहीं कार में मौजूद युवतियों के परिजनों को सूचना देकर बयान लिया गया।

निगम का खजाना हुआ मजबूत, चार दिन में बिके 58 व्यवसायिक प्लॉट

भिलाई-चरोदा। नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा ने अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट ट्रांसपोर्ट नगर के 58 व्यवसायिक भू-खण्डों की नीलामी सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। लगातार चार दिनों तक चली इस नीलामी प्रक्रिया से निगम को लगभग 15 करोड़ रुपए की आय होने की उम्मीद है। निगम प्रशासन इसे आर्थिक रूप से बड़ी उपलब्धि मान रहा है। स्वायत्तशासी संस्था होने के कारण निगम को अपने खर्चों की व्यवस्था स्वयं करनी होती है। कर्मचारियों के वेतन, जनप्रतिनिधियों के मानदेय, वाहनों के ईंधन, रखरखाव और अन्य प्रशासनिक खर्चों के लिए निगम को लगातार आय के नए साधन तलाशने पड़ते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए महापौर निर्मल कोसरे और आयुक्त डीएस राजपूत द्वारा निगम की विक्रय योग्य संपत्तियों को नीलाम करने के निर्देश संपदा विभाग को दिए गए थे। इसके पहले भी निगम प्रशासन द्वारा वसुंधरा नगर स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों और विश्वबैंक कॉलोनी के रिक्त आवासीय भू-खण्डों की नीलामी की जा चुकी है। निगम का उद्देश्य आर्थिक बोझ कम करना और आय के स्थायी स्त्रोत तैयार करना बताया गया है। ट्रांसपोर्ट नगर के व्यवसायिक भू-खण्डों की नीलामी प्रक्रिया 11 मई से शुरू हुई थी। 14 मई की शाम तक लगभग 9 करोड़ रुपए के भू-खण्डों की बिक्री हो चुकी थी। वहीं अंतिम दिन तक चली नीलामी प्रक्रिया में सभी 58 भू-खण्डों की बिक्री पूरी कर ली गई। निगम प्रशासन के अनुसार सफल बोलीदाताओं को एक कार्य दिवस के भीतर भू-खण्ड की कुल राशि का 35 प्रतिशत निगम कोष में जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में राशि जमा नहीं करने पर संबंधित बोली निरस्त कर दी जाएगी।

चोरी की बिजली जला रही थी भिलाई निगम की एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

भिलाई नगर पालिक निगम द्वारा टैक्स वसूली के लिए तय की गई एजेंसी श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड पर चोरी की बिजली जलाने को लेकर कार्रवाई की गई है। इस एजेंसी को निगम के द्वारा मदर्स मार्केट पावर हाउस में एक दुकान ऑफिस संचालन करने के लिए दी गई थी। एजेंसी ने यहां ऑफिस तो खोला, लेकिन बिजली का कनेक्शन नहीं लिया और हुकिंग करके चोरी की बिजली से एसी, पंखे और लाइट जलाते रही। बिजली विभाग की उड़न दस्ता टीम ने यहां छापा मारा और उनके ऊपर कार्रवाई की है।

सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों को शिकायत मिली थी कि मदर्स मार्केट में एक ऑफिस संचालित है, वहीं हुकिंग करके बिजली का कनेक्शन लिया गया है। सहायक अभियंता और उनके साथ दो बिजली विभाग के कर्मचारियों ने गुरुवार को वहां छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उन्होंने पाया कि ऑफिस में डेढ़ टन का एसी, 20 वाट की पांच लाइट, 250 वाट के दो कूलर सहित लैपटॉप व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण संचालित है। यहां हर दिन 2570 वाट क्षमता के बिजली उपकरण का उपयोग किया जाता है, लेकिन इनके द्वारा कोई भी विद्युत कनेक्शन नहीं लिया गया। चेक करने पर पाया गया की ऑफिस में बिजली सप्लाई के लिए चोरी से हुकिंग की गई है। इसके बाद पंचनामा कार्रवाई करके अधिकारियों ने कंपनी के ऊपर जुर्माने की कार्रवाई की है।

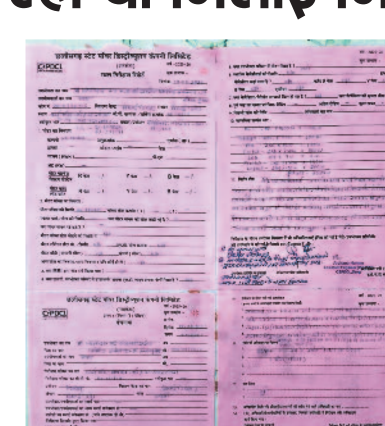

लोगों को सही टैक्स देने की सीख देने वाली एजेंसी निकली बिजली चोर

जिस एजेंसी पर शहर की जनता से टैक्स वसूली करके निगम के खजाने में भरने की जिम्मेदारी दी गई है। जो एजेंसी लोगों को सीख दे रही है कि वो समय पर अपना टैक्स पटाएं, वहीं एजेंसी बिजली चोरी करते पकड़ी गई। इसको लेकर निगम में दिन भर चर्चा का विषय रहा है। विपक्ष के पार्षदों का यहां तक कहना था कि वो आयुक्त राजीव पाण्डेय से कहेंगे को वो इस एजेंसी तत्काल निगम की जिम्मेदारी से हटाएं।

महापौर की चहेती एजेंसी कर रही बिजली चोरी

नेता प्रतिपक्ष भेजराज भोजू का कहना है कि निगम में टैक्स वसूली का काम करने वाली एजेंसी भिलाई महापौर की चहेती एजेंसी है। उन्होंने इस एजेंसी को 2021 में बिना सूडा की अनुमति के केवल महापौर परिषद से प्रस्ताव पास करके काम दे दिया था। महापौर ने ही मदर्स मार्केट में एजेंसी को ऑफिस के लिए जगह दी थी, जहां उनके द्वारा हुकिंग करके बिजली चोरी करके निगम को लाखों रुपए की चपत लगाई जा रही है। इस पर बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दिए चार लाख

संभाग आयुक्त और आईजी भी रिसाली सुशासन शिविर में, मिले 744 आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिलाई

एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा में 14 वार्डो के लिए नगर पालिक निगम रिसाली के सुशासन शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने महिला कोष के तहत 4 लाख रूपए का चेक वितरण किया। इस राशि से जागृति स्व सहायता समूह और विजयता धीवर लघु उद्योग स्थापित करेंगी। शिविर में संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर और दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक सांडिल विशेष रूप से उपस्थित थे।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली निगम द्वारा लगाए शिविर में कहा कि डबल इंजन सरकार हर बार आपके द्वार आती है और समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास करती है। वार्डों और घरों तक पहुंचने का शिविर एक माध्यम है। शिविर के माध्यम से न केवल जनप्रतिनिधि बल्कि उच्च अधिकारी आप लोगों के समक्ष उपस्थित रहकर आपके द्वारा बताए शिकायतों का निराकरण निर्धारित समयावधि में पूरा करते है।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि सुशासन शिविर में संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर एवं दुर्ग रेंज के आईजी अभिषेक सांडिल शिविर में मौजूद है। उनकी ही निगरानी पर यह शिविर संपादित हो रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत विजयता धीवर को सिलाई कार्य और दस सद्स्य वाली जागृती स्व सहायता समूह को आचार पापड़ उद्योग लगाने दो-दो लाख रूपए का चेक वितरण किया। शिविर में नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा ने अतिथियों का स्वागत की।

वहीं मंच पर निगम के सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी रंजीता बेनुआ, सनीर साहू, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, ममता सिन्हा, सोनिया देवांगन, धर्मेन्द्र भगत, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल आदि उपस्थित थे।

विधायक ने दिलाया संकल्प

सुशासन शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौत एवं घायलों की बढ़ती संख्या को कम करने के लिए आम नागरिकों को शपथ दिलाई। उन्होंने नशे की हालत में और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने समेत हेलमेट पहनकर दो पहिया वाहन चलाने का आवहान किया। दुर्ग ग्रामीण विधायक और संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने क्षेत्र के 23 लोगों को वाहन चलाने लर्निंग लाइसेंस सौंपा।

14 वार्डों के आवेदनों पर एक नजर

कुल आवेदन संख्या	744
कुल मांग	715
कुल शिकायत	29
कुल निराकृत	43

49 लोगों को आयुष्मान कार्ड

दुर्ग ग्रामीण विधायक और संभाग आयुक्त समेत दुर्ग रेंज के आईजी ने शिविर में बनाए गए 70 वर्ष आयु वाले 22 वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड सौंपा। वहीं 22 बीपीएल परिवार के सद्स्यों के लिए और 5 सामान्य परिवार के सद्स्यों के लिए बनाए आयुष्मान कार्ड को शिविर स्थल में प्रदान किया। स्टेशन मरोदा के शिविर में कुल छुटे हुए 49 सद्स्यों का स्मार्ट कार्ड बनाया गया।

श्री नारायण गुरु विद्या भवन के छात्रों ने शानदार सफलता अर्जित की

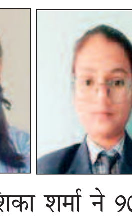

भिलाई। श्री नारायण गुरु विद्या भवन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 4 भिलाई ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड की परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की है। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के कुल 75 विद्यार्थी सम्मिलित हुए और उत्कृष्ट सफलता अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के अतिरिक्त 12 छात्रों ने 80% से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रमाणित किया है। कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान पर वाणिज्य संकाय से एस शशांक ने 92.4%, द्वितीय स्थान पर वाणिज्य संकाय से ही आयुषी गिरी ने 91% अंक तथा तृतीय विज्ञान संकाय से अंशिका शर्मा ने 90% अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। वाणिज्य संकाय में प्रथम एस शशांक 92.4%, द्वितीय आयुषी गिरी 91%, तृतीय नीतीश कुमार 89%, वहीं विज्ञान संकाय में प्रथम अंशिका शर्मा 90%, द्वितीय जसमीन कौर ढिल्लन 86%, तृतीय साक्षी खेलवार 83.8%, गणित संकाय में प्रथम चंद्रकांत साहू 84.2%, द्वितीय शिवेन राय 81.8% एवं कुणाल साहू 80.4% अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहे।

बेमेतरा के खादी ग्रामोद्योग कार्यालय में ताला, ग्रामीण परेशान, कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कार्यालयीन समय में अफसर-कर्मचारी गायब, दूर-दराज से पहुंचे लोग बिना काम लौटने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिला मुख्यालय स्थित छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग का कार्यालय इन दिनों अपनी कार्यप्रणाली को लेकर सवालों के घेरे में है। कार्यालयीन समय पर दफ्तर में ताला लटका रहने और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की अनुपस्थिति से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। अपने जरूरी कामों को लेकर गांवों से आने वाले लोग घंटों इंतजार करने के बाद मायूस होकर वापस लौट रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग का कार्यालय वर्तमान में जिला पंचायत कार्यालय के पीछे स्थित संयुक्त भवन में संचालित हो रहा है, जहां समाज कल्याण, बाल संरक्षण और आयुर्वेदिक विभाग के कार्यालय भी संचालित हैं। खास बात यह है कि जहां अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से अपनी ड्यूटी निभाते नजर आते हैं, वहीं खादी ग्रामोद्योग विभाग का कार्यालय अक्सर बंद मिलता है।

ग्रामीणों का कहना है कि विभाग से संबंधित योजनाओं, ऋण, स्वरोजगार और अन्य कार्यों के लिए वे कई किलोमीटर दूर से बेमेतरा पहुंचते हैं, लेकिन दफ्तर में ताला लटका मिलने से उन्हें निराशा हाथ लगती है। लोगों की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि कार्यालय बंद रहने का कोई सूचना बोर्ड या कारण तक बाहर नहीं लगाया जाता, जिससे आने वाले लोग असमंजस में पड़े रहते हैं।

नियमित कार्यालय संचालन सुनिश्चित करने की मांग

बीते शुक्रवार को भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब कार्यालय पूरी तरह बंद मिला। मामले की जानकारी लेने के लिए विभाग के सहायक संचालक राघवेंद्र अग्रवाल के शासकीय दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका सरकारी मोबाइल नंबर भी बंद मिला। इससे विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर लोगों के बीच और अधिक असंतोष बढ़ गया। गौरतलब है कि इससे पहले यहां पदस्थ रहे सहायक संचालक क्षीरसागर पराते का कार्यकाल भी विवादों और चर्चाओं में रहा था। अब नए अधिकारी के कार्यकाल में भी स्थिति में सुधार नहीं होने से विभाग की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि खादी ग्रामोद्योग विभाग ग्रामीण स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण विभाग है, लेकिन यदि कार्यालयों की यही स्थिति रही तो योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचेगा। लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर नियमित कार्यालय संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

खबर संक्षेप

दुर्ग ग्रामीण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुबह जमकर बारिश

अंडा। दुर्ग ग्रामीण अंडा क्षेत्र सहित आसपास के कई क्षेत्रों में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज हवाओं, गरज-चमक और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ करीब 1 से 2 घंटे तक जमकर बारिश हुई। अचानक बदले मौसम से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान थे। सुबह होते ही आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के दौरान कई जगहों पर तेज हवाएं भी चलीं, जिससे मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया। बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने राहत महसूस की। सुबह के समय सड़कें भीग गईं और कई जगहों पर पानी जमा हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने भी इस बारिश को फायदेमंद बताया है। किसानों का कहना है कि बारिश से खेतों में नमी बढ़ेगी और आने वाली फसलों की तैयारी में मदद मिलेगी। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक दुर्ग जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है।

सांची का नवोदय में चयन, किया सम्मान

जामगांव आर। शासकीय प्राथमिक शाला उमरपोटी की छात्रा सांची साहू का चयन नवोदय विद्यालय बोरई के लिए हुआ है। गुरुजनों और ग्रामवासियों ने प्रतिभावान छात्रा का मुंह मीठा कर उनका सम्मान किया। प्रधानपाठक बुधारू राम निषाद, संकुल समन्वयक टिकेश्वर गजपाल कक्षा शिक्षक राघवेंद्र कुमार ध्रुव अतिथि शिक्षिका टिकेश्वरी साहू,शिक्षिका चमेली साहू ,सरपंच रेवा राम साहू शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष केश राम ठाकुर, उपाध्यक्ष गणेश्वर साहू ,सांसद प्रतिनिधि प्रेमीन साहू विधायक प्रतिनिधि पीलू राम साहू मदन ठाकुर रितेंद्र साहू सोहद्रा ठाकुर गुलशन साहू रुद्राणी साहू गजेंद्र साहू सहित समस्त सदस्य गण शाला प्रबंधन समिति एवं समस्त पालक गण,ग्रामवासी उमरपोटी साथ ही संकुल केंद्र आगेसरा के समस्त शिक्षक शिक्षिका ने खुशी जाहिर की है।

एमजीएम स्कूल का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

भिलाई। विद्यालय के कक्षा 12 के प्रथम बैच ने उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर किया। 24% विद्यार्थियों ने विशिष्ट श्रेणी डिस्टिंक्शन प्राप्त की, जबकि 96% विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। टॉपर्स में बायोलॉजी संकाय के निहाल कुमार ने 88.2% अंक प्राप्त कर प्रथम, गणित संकाय के उदित नारायण ने 87% अंक प्राप्त कर द्वितीय जबकि वाणिज्य संकाय की फलक अख्तर ने 85.4% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी।

पर्व : पत्तलों पर लिखा सत्यवान-सावित्री का नाम

अखंड सुहाग की कामना में उमड़ी आस्था, सुहागिनों ने वट वृक्ष की 108 बार परिक्रमा कर मांगी खुशहाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बारगांव।

ज्येष्ठ अमावस्या पर शनिवार को क्षेत्रभर में वट सावित्री व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। इस बार व्रत का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि शनिश्चरी अमावस्या और शनि जयंती का शुभ संयोग बना था।

मटिया (बारगांव) में सुबह से ही वट वृक्ष के नीचे पूजा का सिलसिला शुरू हो गया। सोलह श्रृंगार कर पहुंचीं महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा कर वृक्ष पर रक्षा सूत्र बांधा और 108 बार परिक्रमा करते हुए अपने परिवार की खुशहाली की मन्नत मांगी। पूजा के दौरान सत्यवान-सावित्री की कथा सुनी गई तथा पति की दीर्घायु के लिए प्रार्थना की गई। कोसपातर, बारगांव, बलौदी सहित आसपास के गांवों में भी वट वृक्ष के नीचे भक्तिमय माहौल बना रहा। महिलाएं समूह बनाकर पूजा करने पहुंचीं। सास-बहू, ननद-भाभी और देवरानी-जेठानी ने एक साथ पूजा कर पारिवारिक एकता और प्रेम का संदेश दिया। पुजारी पं. बोसेन्द्र पांडेय ने बताया कि वट सावित्री व्रत को "वरणदायी व्रत" कहा जाता है। मान्यता है कि वट वृक्ष में त्रिदेवों का निवास होता है मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और अग्रभाग में भगवान शिव विराजते हैं। इसी कारण वट वृक्ष की पूजा को अत्यंत शुभ माना गया है।

तपती धूप में भी नहीं टूटी श्रद्धा

दोपहर बाद तेज गर्मी के बावजूद महिलाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। वट वृक्ष की छांव तले महिलाओं ने हल्दी में डूबे कच्चे सूत को वृक्ष के चारों ओर लपेटते हुए परिक्रमा की और अखंड सुहाग की कामना की। कई महिलाओं ने 12, 51 तो कई ने 108 बार परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पूजन के दौरान महिलाओं ने पत्तलों पर चंदन से यमराज, भगवान विष्णु और सत्यवान-सावित्री का नाम लिखकर हल्दी, कुमकुम, फूल, नारियल और कच्चा सूत अर्पित किया। चना दाल और बेसन के बड़े का भोग लगाया गया। पूजा के बाद श्रृंगार सामग्री दान करने की परंपरा भी निभाई गई।

जनेऊ अर्पण की विशेष परंपरा

पूजा में वट वृक्ष को जनेऊ अर्पित किया गया। महिलाओं ने बताया कि पूजा के बाद यही जनेऊ पति धारण करते हैं, जिसे शुभता और रक्षा का प्रतीक माना जाता है।

सावित्री के संकल्प की अमर कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार, सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और तपस्या से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। कहा जाता है कि ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट वृक्ष के नीचे ही सत्यवान को पुनर्जीवन मिला था। तभी से सुहागिन महिलाएं इस दिन वट वृक्ष की पूजा कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगती हैं।

वट सावित्री व्रत परंपरा और आस्था का पर्व
सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत

बेमेतरा। हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट सावित्री व्रत अखंड सौभाग्य, सुखद वैवाहिक जीवन और पति की लंबी आयु का प्रतीक माना जाता है। ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर महिलाओं ने श्रद्धा और विधि-विधान के साथ वट सावित्री व्रत रखा तथा वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत स्त्री के प्रेम, त्याग, समर्पण और अटूट विश्वास का प्रतीक है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। सुहागिन महिलाओं ने 16 श्रृंगार कर वट वृक्ष की पूजा की तथा कच्चे सूत को वट वृक्ष में लपेटकर परिक्रमा करते हुए पति की लंबी उम्र की कामना की। वट सावित्री व्रत के पीछे सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। कथा के अनुसार मद्रदेश के राजा अश्वपति की पुत्री सावित्री अत्यंत रूपवती, गुणवान और बुद्धिमान थीं। उन्होंने स्वयंवर में सत्यवान को अपना पति चुना, जबकि नारद मुनि ने पहले ही सत्यवान की अल्पायु होने की भविष्यवाणी कर दी थी। इसके बावजूद सावित्री ने अपने निर्णय से पीछे हटने से इंकार कर दिया। विवाह के बाद सावित्री अपने पति और सास-ससुर की सेवा में समर्पित रहीं। जब सत्यवान की मृत्यु का समय आया तो वे उनके साथ जंगल गईं। वहीं सत्यवान के प्राण निकलने पर यमराज उन्हें लेने पहुंचे, लेकिन सावित्री ने अपने पतिव्रत धर्म, ज्ञान और दृढ़ निश्चय से यमराज को प्रसन्न कर लिया। यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा, तब सावित्री ने पहले अपने सास-ससुर की दृष्टि और राज्य वापसी का वर मांगा, फिर सौ पुत्रों का आशीर्वाद मांगा।सावित्री के तर्क और निष्ठा से प्रभावित होकर यमराज ने अंततः सत्यवान को पुनर्जीवन प्रदान कर दिया। मान्यता है कि सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे ही सत्यवान को पुनर्जीवित किया था। इसी कारण वट वृक्ष को लंबी आयु, अमरत्व और पति-पत्नी के अटूट संबंध का प्रतीक माना जाता है। व्रत के दौरान महिलाएं वट वृक्ष की 7 या 108 बार परिक्रमा कर सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। धार्मिक विद्वानों के अनुसार वट सावित्री व्रत केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि महिला शक्ति, धैर्य और संकल्प का उत्सव भी है। सावित्री ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चे प्रेम और निष्ठा के सामने मृत्यु भी हार मान लेती है।

सामुदायिक भवन में नहीं पलेंगी बकरियां, प्रशासन ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 5 स्थित सामुदायिक भवन में बकरी पालन किए जाने की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। खबर का असर यह हुआ कि नगर पंचायत पाटन के सीएमओ हेमंत कुमार वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार सामुदायिक भवन के शेड में पास के निवासी गोपाल यादव द्वारा बड़ी संख्या में बकरियों को रखा जा रहा था, जिससे आसपास के लोगों को दुर्गंध और गंदगी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। खबर सामने आने के बाद नगर पंचायत की टीम सुबह मौके पर पहुंची और भवन में ठूसकर भरी गई बकरियों को तत्काल बाहर निकलवाया गया।

कार्रवाई के दौरान नगर पंचायत कर्मचारियों ने सामुदायिक भवन को खाली करवाकर वहां ताला लगा दिया। साथ ही संबंधित व्यक्ति को समझाइश देते हुए दोबारा भवन में बकरियां नहीं रखने की चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि भविष्य में दोबारा इस तरह की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत द्वारा संबंधित व्यक्ति को नोटिस भी जारी किया गया है। वार्डवासियों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई पर संतोष जताया है। लोगों का कहना है कि सामुदायिक भवन आम जनता की सुविधा के लिए बनाया गया है, उसका इस तरह दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। खबर प्रकाशित होने के बाद हुई त्वरित कार्रवाई से नगर पंचायत की कार्यप्रणाली की भी सराहना हो रही है।

खेल-खेल में सीखेंगे नौनिहाल, बाल मनोविज्ञान और गतिविधि आधारित शिक्षा पर केंद्रित रहा तीन दिनी बालवाड़ी प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- एनईपी-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एससीईआरटी रायपुर में जुटे प्रदेशभर के शिक्षक,
- बच्चों के सर्वांगीण विकास पर हुआ मंथन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रारंभिक शिक्षा को और अधिक रोचक, व्यवहारिक एवं बाल-केंद्रित बनाने की दिशा में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) रायपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बालवाड़ी बीआरजी प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को सफल समापन हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर से पहुंचे शिक्षकों और प्रशिक्षार्थियों ने भाग लेकर खेल-खेल में शिक्षा, बाल मनोविज्ञान, भाषा विकास तथा गतिविधि आधारित शिक्षण की बारीकियों को सीखा।

बालवाड़ी प्रकोष्ठ प्रभारी शबनम खान के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय स्त्रोत समूह (एसआरजी) के विशेषज्ञों ने अलग-अलग सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एनईपी-2020 के 5+3+3+4 ढांचे को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों के प्रारंभिक भाषा कौशल को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञ पुष्पा मैडम ने कहानी, गीत, संवाद और खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से भाषा विकास की प्रभावी तकनीकों को समझाया। साथ ही ईसीसीई की अवधारणा और उसके व्यावहारिक उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई। एसआरजी सदस्य दीपेश पुरोहित, मधु दानी, खुशबू सहित अन्य विशेषज्ञों ने सीखने के छह आयामों पर आधारित सत्र लेते हुए बताया कि प्रारंभिक शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें भाषा विकास, सृजनात्मकता, शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का संतुलित समावेश आवश्यक है।

प्रशिक्षण में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमैरेसी पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बच्चों को गणित और भाषा की बुनियादी समझ सरल गतिविधियों और रोचक तरीकों से दी जाए, ताकि उनमें सीखने के प्रति रुचि बढ़े। औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए शिक्षकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे "कोरी स्लेट" नहीं होते, बल्कि वे अपने साथ कई अनुभव और पूर्व ज्ञान लेकर स्कूल आते हैं। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के पूर्व ज्ञान को पहचानते हुए उनकी अवधारणाओं को सही दिशा दें। बाल मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से यह समझाया गया कि भयमुक्त और आनंददायक वातावरण में बच्चे तेजी से सीखते हैं। प्रशिक्षण की खास बात यह रही कि इसमें केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं दी गई, बल्कि शिक्षकों को स्वनिर्मित टीएलएम (शिक्षण सामग्री) तैयार करने का लाइव अभ्यास भी कराया गया। खेल, कहानियों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के अंदर "गागर में सागर" भरने की अवधारणा को व्यवहारिक रूप में समझाया गया, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीखकर ज्ञान को स्थायी बना सकें। समापन सत्र में प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण को बेहद उपयोगी और व्यवहारिक बताया। शिक्षकों ने कहा कि इससे प्री-स्कूल के बच्चों को पढ़ाना अब पहले की तुलना में अधिक आसान और रोचक होगा। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को "सुविधादाता" की भूमिका में बच्चों के साथ कार्य करने की सीख दी। समापन अवसर पर बालवाड़ी प्रकोष्ठ प्रभारी शबनम खान एवं पूरी एसआरजी टीम ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। प्रशिक्षण में बेमेतरा जिले के विभिन्न विकासखंडों से शिक्षक शामिल हुए। इनमें साजा विकासखंड से वर्षा जैन, यशवंत शर्मा, अजय कुमार दुबे, नवागढ़ से संजीवा राय, सुमनलता साहू, कामती ठाकुर, बेरला से केशव राम देशलहरे, खिलेंद्र कुमार साहू तथा बेमेतरा विकासखंड से मनीषा कौशल और भानू प्रसाद वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कई वार्ड-पंचायतें आचार संहिता लगते ही सुशासन तिहार शिविर से हुई बाहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे सुशासन तिहार को लेकर बड़ा प्रशासनिक बदलाव सामने आया है। नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव के बीच लागू आदर्श आचार संहिता का असर अब जनसमस्या निवारण शिविरों पर भी दिखाई देने लगा है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, चुनाव प्रभावित क्षेत्रों के कई वार्डों और ग्राम पंचायतों को फिलहाल सुशासन तिहार शिविरों से बाहर कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, जिन क्षेत्रों में उपचुनाव की प्रक्रिया जारी है, वहां किसी भी प्रकार की नई शासकीय घोषणा, लाभ वितरण या विशेष शिविर आयोजन पर रोक लगाई गई है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इस फैसले के बाद संबंधित वार्डों और पंचायतों के लोगों को शिविर के माध्यम से मिलने वाली कई सेवाओं के लिए फिलहाल इंतजार करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चुनाव समाप्त होने के बाद सुशासन तिहार योजना का लाभ देने के लिए नई तिथि जल्द घोषित की जाए, ताकि लोगों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिल सके।

सुशासन तिहार के तहत जिलेभर में आम जनता की समस्याओं का निराकरण, योजनाओं का लाभ और विभागीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही थीं, लेकिन आचार संहिता लागू होने के बाद कुछ क्षेत्रों में इसकी रफ्तार थम गई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

कागजों में चमकता आंगनबाड़ी जीर्णोद्धार, हकीकत में बदहाल भवन

91 हजार के काम में अनियमितता के आरोप, पंखे गायब, बिजली तार बिखरे, आरईएस अफसर की चुप्पी से सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड-09 कोबिया स्थित आंगनबाड़ी भवन जीर्णोद्धार कार्य में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) सम्भाग बेमेतरा द्वारा वर्ष 2025-26 में लगभग 91 हजार 224 रुपये की लागत से कराए गए इस कार्य की जमीनी स्थिति विभागीय दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि निर्माण स्थल पर लगाए गए सूचना बोर्ड में कार्य प्रारंभ और पूर्णता तिथि तक दर्ज नहीं की गई है। इससे पूरे कार्य की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग ने कागजों में कार्य को पूर्ण दिखाकर पूरी राशि निकाल ली, जबकि मौके पर अब भी कई जरूरी काम अधूरे पड़े हुए हैं।

जांच और कार्रवाई की उठी मांग

स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि बच्चों की सुविधा और सुरक्षा के नाम पर स्वीकृत सरकारी राशि का सही उपयोग होना चाहिए, न कि केवल कागजों में विकास दिखाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जाए।

काम पूरा दिखाकर राशि आहरित करने का आरोप

सूत्रों के अनुसार विभागीय रिकॉर्ड में इस कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण बताया गया है और पूरी स्वीकृत राशि का आहरण भी कर लिया गया है। जबकि मौके पर अधूरे काम साफ दिखाई दे रहे हैं। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर बिना गुणवत्ता जांच के भुगतान कैसे कर दिया गया। मामले को लेकर जब ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग की एसडीओ प्रेरणा सोनी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। विभागीय अधिकारी की यह चुप्पी अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जिले में डीएमएफ एवं अन्य मदों से आरईएस विभाग द्वारा आंगनबाड़ी भवन निर्माण, जीर्णोद्धार और अन्य विकास कार्य कराए गए हैं। लेकिन समय-समय पर इन कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। कोबिया का यह मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यह भवन जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद कार्य की स्थिति बदहाल होना विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

स्थानीय लोगों के मुताबिक आंगनबाड़ी भवन के कमरों में अब तक पंखे नहीं लगाए गए हैं। वहीं बिजली के तार खुले और अव्यवस्थित हालत में फैले हुए हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। मासूम बच्चों के लिए बनाए गए भवन की ऐसी स्थिति देखकर अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि भवन का केवल नाम मात्र का जीर्णोद्धार किया गया और गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

खबर संक्षेप

नीट पेपर लीक देश की प्रतिभा और ईमानदारी के खिलाफ साजिश

साजा। राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय सलाहकार महेंद्र विरदी ने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी

परीक्षाओं में सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि करोड़ों विद्यार्थियों की मेहनत, ईमानदारी और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। बार-बार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से विद्यार्थियों का व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो रहा है। महेंद्र विरदी ने कहा कि यदि मेहनती और योग्य विद्यार्थी निराश होंगे तो राष्ट्र की प्रतिभा प्रभावित होगी। उन्होंने सरकार से परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की मांग करते हुए कहा कि जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव चाहती है।

सोना चांदी के जेवरात और नगदी पार

भिलाई। बाहर गए परिवार के मकान का ताला तोड़कर सोना चांदी के जेवरात पार करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि वार्ड 26 इंदिरा नगर चरोदा भिलाई तीन निवासी तनुश्री विश्वास अपने बच्चो के साथ दल्लीराजहरा गई थी। 13 मई की शाम को पडोसी ने कॉल कर बताया कि उनके मकान का दरवाजा खुला है। मकान के भीतर प्रवेश कर देखने पर आलमारी में रखा गया सारा सामान जमीन पर बिखरा पड़ा मिला। अलमारी में रखे गए जेवरात और नगदी 6500 रुपए गायब मिला। पीड़िता आसपास खोजबीन करने के बाद कोई जानकारी नहीं मिलने पर सूचना पुलिस को दी। चोरी हुए सामानों की कीमत 96 हजार रुपए आंकी गई है।

सुशासन तिहार से समस्याओं का हो रहा समाधान

पाटन। मर्रा में आयोजित सुशासन तिहार एवं समाधान शिविर में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को पट्टा वितरण, युवतियों को सेनेटरी पैड वितरण, जरूरतमंद परिवारों को मच्छरदानी वितरण, बच्चों एवं महिलाओं को सुपोषण आहार वितरण व हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरण किया गया।

निधन

रमाकांत बैस

नवागढ़। ग्राम ढंनढ़नी निवासी रमाकांत बैस का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। वे 35 वर्ष के थे। स्वर्गीय रमाकांत बैस, राजेन्द्र सिंह के पुत्र थे तथा गौतम सिंह एवं यशवंत सिंह के भाई थे। उनके निधन पर परिजनों, रिश्तेदारों एवं ग्रामीणों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। शनिवार को ग्राम ढंनढ़नी में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण, शुभचिंतक एवं समाजजन ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

आफत : मई की तपिश पर मौसम का कहर, किसानों की बढ़ी चिंता

बेरला-साजा में आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से तबाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

भीषण गर्मी और झुलसाती उमस के बीच शनिवार शाम जिले के बेरला और साजा क्षेत्र में मौसम ने अचानक ऐसा करवट बदला कि लोग सहम उठे। करीब डेढ़ घंटे तक चली तेज आंधी, चक्रवाती तूफान और मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके को अस्त-व्यस्त कर दिया। आसमान में काले बादलों की गड़गड़ाहट और तेज हवाओं के शोर के बीच कई जगहों पर पेड़ धराशायी हो गए, झोपड़ियां उड़ गईं और दुकानों के टीन शेड हवा में तिनकों की तरह बिखरते नजर आए।

तेज तूफानी हवाओं का असर इतना जबरदस्त था कि ग्रामीण इलाकों में कई कच्चे मकानों और झोपड़ियों को नुकसान पहुंचा। वहीं नगर पंचायत क्षेत्रों में बड़े-बड़े विज्ञापन फ्लेक्स और होर्डिंग्स टूटकर सड़कों पर गिर पड़े। अचानक आए इस मौसमीय कहर से लोग घरों और दुकानों में दुबकने को मजबूर हो गए। कई स्थानों पर बिजली के खंभे और तार प्रभावित होने से संपूर्ण विद्युत व्यवस्था घंटों तक ठप रही, जिससे अंधेरे और उमस के बीच लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गर्मी से मिली राहत, मौसम हुआ सुहावना

लगातार पड़ रही भीषण गर्मी से बेहाल लोगों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई। पिछले कई दिनों से बढ़ते तापमान और उमस से लोग परेशान थे। बारिश के बाद मौसम में ठंडक घुल गई और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय बाद इतनी तेज बारिश हुई है, जिससे सूखते जलस्रोतों और गिरते भूजल स्तर को भी संजीवनी मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

खेतों में बरसी आफत, किसानों की टूटी उम्मीदें

एक ओर जहां आम लोगों ने राहत महसूस की, वहीं किसानों के लिए यह बारिश चिंता का बड़ा कारण बन गई। खेतों में कटाई के बाद रखी धान और गेहूं की फसलें भीगने से खराब होने की आशंका बढ़ गई है। तेज हवाओं के कारण आम के पेड़ों से बड़ी मात्रा में बौर और फल झड़ गए, जबकि केला और पपीता जैसी बागवानी फसलें भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि मौसम की इस मार से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बेमेतरा और नवागढ़ में हल्की बूंदाबांदी

जहां बेरला और साजा क्षेत्र में तूफान और बारिश ने जमकर कहर बरपाया, वहीं जिला मुख्यालय बेमेतरा और नवागढ़ क्षेत्र में केवल हल्की बूंदाबांदी हुई। इन क्षेत्रों में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

नुकसान के आकलन की मांग

तूफान और बारिश के बाद प्रभावित ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराने और मुआवजा देने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बेमौसम बारिश ने जहां जनजीवन को प्रभावित किया है, वहीं किसानों की महीनों की मेहनत पर भी पानी फेर दिया है।

सुहागिनों ने श्रद्धा से रखा वट सावित्री व्रत

बेमेतरा/थानखम्हरिया। अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को अंचल भर में वट सावित्री व्रत को लेकर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। ग्राम चीजगांव, बरगा सहित आसपास के गांवों में सुहागिन महिलाओं ने पूरे विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ वट सावित्री व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की।

■ पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ महिलाओं ने बरगद की विधि-विधान से की पूजा

सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर गांव के बरगद वृक्षों के पास पहुंचीं, जहां पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पंडित चेतन शर्मा ने मंत्रोच्चार और धार्मिक विधानों के साथ वट सावित्री पूजन संपन्न कराया। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चे सूत से वृक्ष को बांधा और श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की। धर्म शास्त्रों के अनुसार वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू मान्यताओं में बरगद के वृक्ष को पूजनीय माना गया है और इसमें सभी देवी-देवताओं का वास बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि बरगद वृक्ष की तरह पति की आयु भी लंबी हो, इसी कामना के साथ महिलाएं यह व्रत रखती हैं। महिलाओं ने पूजा के दौरान माता सावित्री और सत्यवान की कथा का श्रवण किया तथा परिवार की खुशहाली और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना की। पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया और महिलाओं में उत्साह एवं धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। ग्रामीण अंचलों में वट सावित्री व्रत को लेकर दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा तथा मंदिरों और वट वृक्षों के आसपास महिलाओं की भीड़ देखने को मिली।

भिंभौरी के गजेन्द्र यादव बने जिला कबड्डी प्रीमियम लीग के 'बेस्ट प्लेयर'

बेमेतरा/भिंभौरी। जिले में 10, 11 एवं 12 मई को एमपी क्लब धुरसेना और जिला कबड्डी संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बेमेतरा जिला कबड्डी प्रीमियम लीग में भिंभौरी के खिलाड़ी गजेन्द्र यादव ने अपने शानदार खेल से सबका ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गजेन्द्र यादव को "सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी" के खिताब से नवाजा गया।

प्रतियोगिता में जिले के सभी ब्लॉकों के खिलाड़ियों ने ट्रायल के माध्यम से हिस्सा लिया था। न्यू सुभाष नवयुवक मंडल भिंभौरी के गजेन्द्र यादव और पंकज वर्मा का चयन धुरसेना योद्धा टीम में हुआ। लीग में कुल 10 टीमों ने भाग लिया। धुरसेना योद्धा टीम ने सेमीफाइनल में स्काई टर्सल बैहरसरी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका मुकाबला मजबूत टीम माँ अम्बे ऑडियो मोतिमपुर से हुआ। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। धुरसेना योद्धा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 29-28 के बेहद करीबी अंतर से जीत दर्ज कर चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम की। पूरे टूर्नामेंट में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले गजेन्द्र यादव को

'बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें रेंजर साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। गजेन्द्र यादव की इस उपलब्धि पर न्यू सुभाष नवयुवक मंडल भिंभौरी के अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा सहित भारत साहू, धनेन्द्र साहू, विक्रम साहू, विक्की साहू, सेवाराम राकेश, रवि वर्मा, कामदेव, दुर्जन यादव, उत्कल धीवर, कमलेश वर्मा, धर्मराज साहू, ओमप्रकाश यदु, हेमंत नेवल, किशोर साहू, अश्वनी परगनिहा और विकास यदु समेत समस्त सदस्यों ने हर्ष जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बताया गया कि नगर पंचायत भिंभौरी में संचालित खेलो इंडिया मिनी कैंप में गजेन्द्र यादव को निखारने में अनुभवी कोच और अपने समय के स्टार ऑलराउंडर कामता निषाद तथा भारत साहू का विशेष योगदान रहा है।

साजा में पेट्रोल संकट से हाहाकार पेट्रोल पंप से खाली हाथ लौटे लोग

बेमेतरा/साजा। साजा विधानसभा क्षेत्र में पेट्रोल संकट अब आम लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बनता जा रहा है। क्षेत्र में ईंधन को लेकर लगातार बढ़ रही अफरा-तफरी के बीच नगर पंचायत क्षेत्र स्थित एक अधिकृत पेट्रोल पंप पर शुक्रवार रात ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने प्रशासनिक दावों पर सवाल खड़े कर दिए। लोगों का आरोप है कि पेट्रोल पंप में पर्याप्त मात्रा में ईंधन मौजूद होने के बावजूद आम उपभोक्ताओं को पेट्रोल देने से मना कर दिया गया। ग्रामीणों, यात्रियों और मजदूरों के अनुसार शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे, लेकिन पंप कर्मचारियों ने साफ तौर पर पेट्रोल देने से इंकार कर दिया। इससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। कई लोगों ने आरोप लगाया कि पंप में पेट्रोल उपलब्ध था, फिर भी आम जनता को ईंधन नहीं दिया गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कई यात्री बीच रास्ते में फंस गए। मजदूरी और रोजी-रोटी के लिए रोजाना आवाजाही करने वाले मजदूरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मजदूर समय पर अपने कार्यस्थल तक नहीं पहुंच पाए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। वहीं किसानों ने भी पेट्रोल-डीजल की अनियमित उपलब्धता को लेकर चिंता जताई है। किसानों का कहना है कि खेती-किसानी और कृषि उपकरणों के संचालन पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भीड़

और पेट्रोल पंपों पर लग रही लंबी कतारों के बीच लोगों में असमंजस और भय का माहौल भी देखा जा रहा है। एक ओर जिला प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है तथा लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हालात प्रशासनिक दावों की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है तो आम उपभोक्ताओं को उससे वंचित रखना पूरी तरह अनुचित है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पेट्रोल वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए तथा आम जनता को अनावश्यक परेशानियों से बचाने के लिए सख्त निगरानी की जाए। इधर पेट्रोल संकट को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार भी गर्म है। लोग यह जानना चाह रहे हैं कि आखिर पर्याप्त ईंधन होने के बावजूद वितरण व्यवस्था क्यों प्रभावित हो रही है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस गंभीर स्थिति को लेकर क्या कदम उठाता है और आम जनता को राहत दिलाने के लिए किस प्रकार की ठोस कार्रवाई की जाती है।

तीसरे दिन भी ईंधन संकट से जूझता रहा बेरला, पंपों पर लगी लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

बेरला विकासखण्ड में लगातार तीसरे दिन भी ईंधन संकट गहराता नजर आया। पेट्रोल और डीजल की किल्लत के चलते शनिवार को पूरे क्षेत्र में हाहाकार जैसे हालात बने रहे। ब्लॉक के करीब दो दर्जन पेट्रोल पंपों में से अधिकांश केंद्रों पर ईंधन समाप्त हो जाने से आम लोगों के साथ किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह से ही नगर मुख्यालय स्थित चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं, जहां देर शाम तक लोग अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। सबसे अधिक दिक्कत कृषि कार्य में जुटे किसानों को उठानी पड़ी। खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच ट्रैक्टर, पंप और अन्य कृषि उपकरणों के संचालन के लिए डीजल की आवश्यकता होने से किसान हाथों में डिब्बे और केन लेकर पेट्रोल पंपों के चक्कर काटते रहे। कई ग्रामीणों ने बताया कि घंटों लाइन में लगने के बावजूद उन्हें पर्याप्त मात्रा में ईंधन नहीं मिल पाया। स्थिति इतनी गंभीर रही कि अधिकांश पेट्रोल पंपों के मुख्य द्वारों पर सुबह से ही रस्सी बांधकर "ईंधन उपलब्ध नहीं" और "अस्थायी रूप से बंद" के बोर्ड टांग दिए गए थे। इससे दूर-दराज के गांवों से पहुंचे उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोग एक पंप से दूसरे पंप तक भटकते रहे, लेकिन राहत नहीं मिली। ईंधन संकट का असर सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दैनिक आवागमन करने वाले कर्मचारी, व्यापारी, छात्र और वाहन चालक भी परेशान नजर आए। कई लोगों को जरूरी काम टालने पड़े, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर भी असर दिखाई दिया। ग्रामीणों

और उपभोक्ताओं द्वारा लगातार शिकायत किए जाने के बाद मामला प्रशासन तक पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विकासखण्ड प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों और संबंधित एजेंसियों से चर्चा कर जल्द से जल्द ईंधन आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि आपूर्ति सामान्य होते ही स्थिति में सुधार लाया जाएगा। इधर, लगातार बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ पेट्रोल पंपों पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की निगरानी भी देखने को मिली। बावजूद इसके लोगों की परेशानी कम नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो खेती-किसानी सहित रोजमर्रा की गतिविधियां पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

दशकों से नहीं हुई मरम्मत, शिवनाथ नदी का एनीकट बेमेतरा-बलौदाबाजार की कनेक्टिविटी की अहम कड़ी

मऊ का जर्जर एनीकट बना मुसीबत, हर गुजरते दिन बढ़ रहा हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

बेमेतरा विकासखण्ड के सीमावर्ती ग्राम मऊ में शिवनाथ नदी पर बना एनीकट अब अपनी बदहाली की कहानी खुद बयां कर रहा है। वर्षों से मरम्मत और जीर्णोद्धार के अभाव में यह महत्वपूर्ण एनीकट पूरी तरह जर्जर हो चुका है। हालत यह है कि रोजाना जान जोखिम में डालकर ग्रामीणों और राहगीरों को इस एनीकट से होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

जानकारी के अनुसार यह एनीकट क्षेत्र के कई गांवों की जीवनरेखा माना जाता है। शिवनाथ नदी के दोनों ओर बसे दर्जनों गांवों के लोग आवागमन के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। लेकिन लंबे समय से उपेक्षा का शिकार होने के कारण अब इसकी सतह जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। एनीकट की दीवारें कमजोर पड़ गई हैं और कई हिस्सों में दरारें भी दिखाई देने लगी हैं। बरसात के दिनों में यहां की स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब

तेज बहाव के बीच लोगों को इसी जर्जर ढांचे के सहारे आवागमन करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार जिम्मेदार विभाग और प्रशासन को एनीकट की स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक केवल आश्वासन ही मिले। दशकों से कोई ठोस मरम्मत कार्य नहीं होने से लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठा हुआ नजर आ रहा है।

दो जिलों की लाइफलाइन, जीर्णोद्धार से बदलेगी तस्वीर

मऊ क्षेत्र का यह एनीकट सिर्फ जल संरक्षण का साधन नहीं, बल्कि बेमेतरा और बलौदाबाजार जिले के बीच सामाजिक और व्यापारिक संपर्क की मजबूत कड़ी भी है। यदि इसका जीर्णोद्धार कराया जाता है, तो बेमेतरा जिले के मऊ-मलदा, चंदनु, बालसमुन्द, नांदघाट समेत आसपास के कई गांवों का बलौदाबाजार जिले के सिमगा क्षेत्र से संपर्क और अधिक सुगम हो जाएगा। ग्रामीणों का मानना है कि एनीकट की मरम्मत होने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। किसानों, विद्यार्थियों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों को प्रतिदिन होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।

ग्रामीणों ने उठाई जल्द कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन और जलसंसाधन विभाग से मांग की है कि कागजी योजनाओं से बाहर निकलकर जल्द धरातल पर कार्य शुरू किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते एनीकट का कायाकल्प नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। फिलहाल मऊ का यह जर्जर एनीकट प्रशासनिक उदासीनता और विकास कार्यों की धीमी रफ्तार की तस्वीर पेश कर रहा है।